Name of publication: Rajasthan Patrika

Date: April 3, 2019

ग्रामीणों ने बीड़ा उठाया तो बदली अकबरपुर स्कूल की तस्वीर

कभी था खंडहर, अब बन गया आकर्षक स्कूल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

अलवर. राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर के भवन को देखकर नहीं लगता कि यहां तो कुछ समय पहले ही खंडहर स्कूल था। इस भवन को देखकर लगता है कि जैसे किसी शानदार महंगी फीस वाले प्राइवेट स्कूल में हम खड़े हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्कूल जिसमें चारों तरफ चित्रकारी, व्यवस्थित भवन, टी गार्ड जैसी चीजें इस स्कूल को आकर्षक बना रही है।

अलवर जिला मुख्यालय से 18 किलोमीटर दूर जयपुर रोड पर स्थित अकबरपुर का सरकारी स्कूल जन-भागीदारी की मिसाल बन गया है।

इसके मूल परिसर में जगह कम होने और छात्र संख्या अधिक होने के कारण प्राथमिक कक्षाओं वाले परिसर के समीप पुरातन बाबड़ी स्थित है । चार वर्ष पूर्व बारिश इसका भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और इसे खाली करना पड़ा।

इस ग्राम पंचायत के सरपंच महेश गुर्जर की पहल पर बाबड़ी की दीवार बनाई गई। यहां की प्रिंसीपल सीमा कपूर ने ग्रामीणों के सहयोग से इस भवन को शानदार बनाने की कल्पना की जिसे साकार करने के लिए इन्होंने सहगल फाउंडेशन से सहायता ली। ग्रामीणों और फाउंडेशन के सहयोग से अब इस भवन को नई दिशा और दशा मिल गई है। यह भवन अब पूरी तरह चाइल्ड फ्रेंडली बन गया है। इस भवन को इतना सुंदर बनाने में इंजीनियर राजेश लवानिया का सहयोग रहा जो जिले में ऐसे कई भवन बना चुके हैं। यहां बालक व बालिकाओं के लिए अलग- अलग शौचालय सहित कई सुविधाएं हैं। यहां वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है। यहां विकास कार्यों की शुरुआत के लिए ग्रामीणों ने जन-भागीदारी के लिए 1 लाख रुपए एकत्रित किए। यह भवन उच्च प्राथमिक स्तर तक की कक्षाओं के लिए है जिसमें 431 विद्यार्थी अध्ययनरत्त हैं। जबकि सीनियर सैकंडरी इस विद्यालय में बालको की संख्या 1 हजार 32 है जो इस क्षेत्र के विद्यालयों में सर्वाधिक है।

सरपंच महेश गुर्जर ने बताया कि अकबरपुर में सरकारी स्कूलों के प्रति सकारात्मक माहौल है। सहगल फाउंडेशन के महिपाल सिंह ने बताया कि विद्यालय भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका था। यहां कक्षा 1 से 8 तक के सभी बच्चों को फर्नीचर बदला गया है। विद्यालय के सम्पूर्ण कार्य में 20 लाख रुपए खर्च हुए हैं।

अलवर. अकबरपुर का स्कूल कभी था खंडहर।

अलवर. अकबरपुर स्कूल का शानदार भवन।

Once a dilapidated structure, now an attractive learning environment

Government Senior Secondary School in village Akbarpur, Alwar, Rajasthan, has undergone a transformation. Once a dilapidated structure, the school is an attractive learning environment for schoolchildren now. Sehgal Foundation is committed to transform government schools into safe, healthy, fun, and stimulating spaces that will encourage children to attend school regularly.